an>

Title: Need to provide adequate compensation to the farmers whose crops have been destroyed by wild animals in Poorvi and Paschimi Champaran districts of Bihar.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं,...(व्यवधान) जो मेरे दोनों चम्पारण जिले में नीलगाय का आतंक फैला हुआ है, उसके प्रति मैं सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। हमारे यहां वाल्मीकि नगर टाइगर रिजर्व भी है। दोनों जिलों में किसानों की सैंकड़ों एकड़ की फसलें बर्बाद हो जाती हैं, क्योंकि इन पर कोई लगाम नहीं है। राज्य सरकार ने यह तय किया है कि आप इनको मार सकते हैं, लेकिन उसके लिए आपको एसडीएम से परमिशन लेनी पड़ेगी।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि अगर किसी के खेत में नीलगाय आई हुई है तो वह अपने खेत की रक्षा करे या वह एसडीएम से परमिशन लेने जाए। उसके बाद वह आकर उसको भगाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, इसलिए मेरा आपके माध्यम से अनुरोध होगा कि फॉरेस्ट मिनिस्ट्री को कह कर एक विशेष दल बनाया जाए, जोकि इन नीलगायों को जंगल में पहुंचा सके। हमारे यहां बाघों की संख्या भी कम हो रही है। किसानों को पूरे रूप से मुआवजा मिलना चाहिए, जिससे कि किसानों की आजीविका चल सके।

अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. संजय जायसवाल जी द्वारा उठाए गए विषय से श्री अश्विनी कुमार चौबे जी अपने को सम्बद्ध करते हैं।